श्रेष्ठता से आज़ादी के लिए प्रार्थना

पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि मैं अद्भुत रीति से बनाया गया हूँ, क्योंकि आपने ही मुझे बनाया है। आपका धन्यवाद, कि आप मुझसे प्रेम करते हैं और मुझे अपना कहते हैं। आपका धन्यवाद, कि आपने मुझे यीशु मसीह का अनुकरण करने का सौभाग्य दिया है।

कृपया मुझे माफ कर दीजिए कि मैंने खुद को दूसरों से उत्तम मानने की इच्छा को अपने दिल में आने दिया। मैं ऐसी चाहतों को ठुकराता हूँ और उनसे नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ। मैं खुद को दूसरों से उत्तम मानने की भावना से सन्तुष्टि प्राप्त नहीं करूँगा। मैं मान लेता हूँ कि बाकी सब लोगों की तरह ही मैं भी पापी हूँ, और आपके बिना मैं कुछ भी नहीं कर सकता।

मैं एक उत्तम समूह का व्यक्ति होने की भावना रखने से भी तौबा करता हूँ और इस भावना से नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ। मैं अंगीकार करता हूँ कि आपकी दृष्टि में सब लोग एक समान हैं।

दूसरों के लिए निन्दनीय शब्द बोलने और दूसरों को अस्वीकार करने से मैं तौबा करता हूँ और इस सबके लिए आपसे माफी माँगता हूँ।

लोगों को उनकी जाति, उनके लिंग, उनकी दौलत या उनकी शिक्षा के कारण उन्हें हीन मानने की सोच को मैं ठुकरा देता हूँ।

मैं मान लेता हूँ कि केवल आपके अनुग्रह के कारण ही मैं आपकी उपस्थिति में खड़ा हो सकता हूँ। मैं मनुष्यों के सारे न्याय से अपने आप को अलग कर लेता हूँ और अपनी मुक्ति के लिए केवल आप पर दृष्टि लगा लेता हूँ।

मैं इस्लाम की इस शिक्षा से खास तौर पर नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ कि धर्मी मुसलमान दूसरों से उत्तम हैं, कि इस्लाम लोगों को सफलता देता है, और गैर-मुसलमानों की तुलना में मुसलमान उत्तम हैं।

मैं इस दावे को मानने से इनकार करता हूँ और इससे नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ कि पुरुष महिलाओं से उत्तम हैं।

स्वर्गिक पिता, मैं उत्तमता की सारी झूठी भावनाओं से तौबा करता हूँ और आपकी सेवा करने का चयन करता हूँ।

प्रभु, मैं दूसरों की सफलता पर प्रसन्न होने का चयन करता हूँ। मैं दूसरों के प्रति हर प्रकार की ईर्ष्या और जलन को ठुकराता हूँ और उससे नाता तोड़ने का ऐलान करता हूँ।

प्रभु, कृपया मुझे सही-सही रीति से समझाइए कि मैं आप में कौन हूँ। मुझे इस सत्य की शिक्षा दें कि आप मुझे कैसे देखते हैं। आपने मुझे जैसा व्यक्ति बनाया है, वैसे ही सन्तुष्ट रहने में आप मेरी मदद करें।